

मसान होली

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वाराणसी में दो दविसीय विशेष कार्यक्रम मसान होली मनायी गई। इस दौरान भक्त एक-दूसरे पर अंतिम संस्कार की अग्निकी राख और गुलाबी पाउडर (गुलाल) डालते हैं। इस आयोजन को मृत्यु का जश्न मनाने के तौर पर भी देखा जाता है।

मुख्य बटु

- ऐसा माना जाता है कवाराणसी में मसान होली की रस्म होलकि-प्रहलाद की पौराणिक घटना को चति की राख के साथ मनाई जाती है।
- वाराणसी की मसान होली में चति की राख का उपयोग जीवन की अल्पता और इस भौतिकवादी वश्व में व्यक्तिके अस्तित्त्व की चक्रीय प्रकृति का प्रतीक है।
- ऐसा माना जाता है कविसान होली में उपयोग की जाने वाली राख में शुद्धकिरण गुण होते हैं जो शरीर, मन और आत्मा की अशुद्धियों को साफ करते हैं।
- होली के दौरान एक-दूसरे को राख लगाकर, लोग आध्यात्मिक कायाकल्प और आंतरिक शुद्धि चाहते हैं।